PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Thursday 30th January 2014, Page: 13
Width: 16.15 cms, Height: 11.67 cms, a4, Ref: pmin.2014-01-30.38.71

मरीज के हिसाब से दवाओं पर छूट!

भारत में अपना प्राइसिंग मॉडल टेस्ट कर रही अमेरिका की ड्रग कंपनी

[सोमा दास | नई दिल्ली]

अमेरिका की ड्रग इनोवेटर फर्म एलि लिली की इंडियन इकाई भारत में नया ड्रग प्राइसिंग मॉडल आजमा रही है। इसके जरिए कंपनी भारत में यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसकी ड्रग्स बड़ी संख्या में मरीजों तक पहुंच सकें। यह बात कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर एडगार्ड ओलॉयजोला ने इकनॉमिक टाइम्स को बताई। उन्होंने बताया कि कंपनी ने कुछ महीने पहले अपनी ओस्टियोपोरोसिस ड्रग फॉर्टियो के लिए एक स्पेशल प्राइसिंग स्कीम लॉन्च की है। इस स्कीम में कंपनी मरीज की पेइंग कैपेसिटी के हिसाब से उसे अलग-अलग डिस्काउंट ऑफर करती है। प्रेस्क्रिप्शन लिखे जाने के बाद एक स्वतंत्र एजेंसी मरीज के घर जाकर कुछ पर्सनल इंफार्मेशन लेती है, जिसमें उसका इनकम लेवल भी पूछा जाता है। इसके आधार पर कंपनी तय करती है कि मरीज को कंपनी से किस लेवल का डिस्काउंट मिलना चाहिए।

ओलॉयजोला ने स्कीम की डिटेल्स देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'डॉक्टर्स से मिलने वाले शुरुआती फीडबैक काफी उत्साहजनक रहे हैं और अब कंपनी कुछ दूसरी दवाओं को अपने

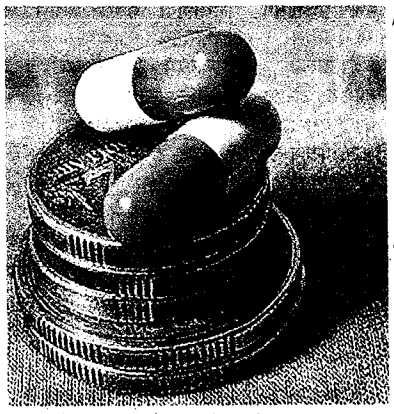

प्राइसिंग मॉडल के दायरे में लाने पर विचार कर रही है।' उन्होंने कहा कि अभी स्कीम को दुरुस्त किया जाना है और कंपनी को डिटेल्स शेयर करने से पहले कुछ और डेटा प्वॉइंट्स की जरूरत है। उन्होंने इसे सस्टेनेबल मॉडल बताया।

मल्टीनेशनल कंपनियों को डिवेलपिंग वर्ल्ड से कई तरह की आलोचनाएं झेलनी पड़ रही हैं, क्योंकि पब्लिक हेल्थ ग्रुप्स और गवर्नमेंट ने महंगी, बड़ी संख्या में मरीजों के काम न आने वाली दवाएं लॉन्च करने के लिए इन्हें कड़ी फटकार लगाई है। खासतौर से यह बात पेटेंटेड कैंसर ड्रग्स के मामले में सही है। हायर प्राइसेज के बारे में इनोवेटर ड्रग फर्मों का दावा है कि एक अरब से ज्यादा के इनवेस्टमेंट और करीब एक दशक की मेहनत के बाद कोई नई दवा मार्केट में आती है।

एलि लिली अभी तक पूरी तरह इनोवेशन पर फोकस्ड फार्मा कंपनी थी। कंपनी ने पिछले महीने भारत में चार कैंसर ड्रग्स लॉन्च करके ब्रांडेड जेनेरिक्स स्पेस में एंट्री की है। ओलॉयजोला का कहना है, 'भारत दुनिया में पहला ऐसा मार्केट है, जहां हमने ब्रांडेड जेनेरिक्स लॉन्च की हैं। हम इन दवाओं को चुनिंदा देशों में ले जाना चाहते हैं, खासतौर से उभरते हुए मुल्कों में।' उन्होंने कहा कि इनोवेशन पर कंपनी का मुख्य फोकस रहेगा। लिली ने भारत में दिसंबर में चार कैंसर ड्रग्स लॉन्च कीं, जिन्हें दूसरी इनोवेटर कंपनियों ने डिवेलप किया है। उन्होंने कहा, 'इस पहल को इसलिए चालू किया गया, क्योंकि भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा हाई क्वॉलिटी मेडिकेशन लेने में सक्षम नहीं है और ओरिजनल कैंसर ड्रग्स के जेनेरिक वर्जन से हम पहुंच का दायरा बढ़ा सकते हैं।'